

## वैकल्पिक विषय - हिंदी साहित्य

//

# हिंदी साहित्य पाठ्यक्रम (UPSC, UPPCS, BPSC)

Download PDF

## प्रश्नपत्र-1

### खंड : 'क' (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)

- अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप ।
- मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास ।
- सद्दिध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदकवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप ।
- उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास ।
- हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण ।
- स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास ।
- भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास ।
- हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास ।
- हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध ।
- नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप ।
- मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना ।

### खंड : 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)

- हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा ।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास के नमिनलखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ**
  - (क) आदिकाल:** सद्दिध, नाथ और रासो साहित्य ।  
प्रमुख कवि: चंदबरदाई, खुसरो, हेमचन्द्र, वदियापति ।
  - (ख) भक्तिकाल:** संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तधारा और राम भक्तधारा । प्रमुख कवि: कबीर, जायसी, सूर और तुलसी ।
  - (ग) रीतिकाल:** रीतिकाव्य, रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य  
प्रमुख कवि: केशव, बहारी, पदमाकर और घनानंद ।
  - (घ) आधुनिक काल:** (क) नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल (ख) प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मशिर ।  
(ङ.) आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ । छायावाद, प्रगतवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता ।  
**प्रमुख कवि:** मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'नरिला', महादेवी वर्मा, रामधारी सहि 'दनिकर', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तबोध, नागार्जुन ।
- कथा साहित्य:**
  - (क) उपन्यास और यथार्थवाद
  - (ख) हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास
  - (ग) प्रमुख उपन्यासकार : प्रेमचन्द्र, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी ।
  - (घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास ।
  - (ङ) प्रमुख कहानीकार : प्रेमचन्द्र, जयशंकर प्रसाद, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश और कृष्णा सोबती ।
- नाटक और रंगमंच :**

(क) हनिदी नाटक का उद्भव और विकास

(ख) प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश ।

(ग) हनिदी रंगमंच का विकास ।

**v. आलोचना :**

(क) हनिदी आलोचना का उद्भव और विकास- सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतवादी, मनोवश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा ।

(ख) प्रमुख आलोचक - रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विविदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र ।

**vi. हनिदी गद्य की अन्य वधाएँ:** ललित नबिंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त ।

## प्रश्नपत्र-2

इस प्रश्नपत्र में नरिधारित मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जनिसे अभ्यर्थी की आलोचनात्मक क्षमता की परीक्षा हो सके ।

### खंड : 'क' (पद्य साहित्य)

- i. कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) सं. श्याम सुन्दर दास
- ii. सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) सं. रामचंद्र शुक्ल
- iii. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवतावली (उत्तर काण्ड)
- iv. जायसी : पदमावत (सहिलद्वीप खंड और नागमती वयिग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास
- v. बहारी : बहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर
- vi. मैथलीशरण गुप्त : भारत भारती
- vii. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिता और श्रद्धा सर्ग)
- viii. सूर्यकांत त्रिपाठी 'नराला' : राग-वराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा
- ix. रामधारी सहि 'दनिकर' : कुरुक्षेत्र
- x. अज्जेय : आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा)
- xi. मुक्तिबोध : ब्रह्मराक्षस
- xii. नागार्जुन : बादल को घरिते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरजिन गाथा ।

### खंड : 'ख' (गद्य साहित्य)

- i. भारतेन्दु : भारत दुर्दशा
- ii. मोहन राकेश : आषाढ का एक दनि
- iii. रामचंद्र शुक्ल : चितामणि (भाग-1), (कवता क्या है, श्रद्धा-भक्ति) ।
- iv. नबिंध नलिय : संपादक : डॉ. सत्येन्द्र । बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विविदी, रामविलास शर्मा, अज्जेय, कुबेरनाथ राय ।
- v. प्रेमचंद : गोदान, 'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक : अमृत राय)
- vi. प्रसाद : स्कंदगुप्त
- vii. यशपाल : दविया
- viii. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल
- ix. मन्नु भण्डारी : महाभोज
- x. राजेन्द्र यादव (सं.) : एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ)